भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **1985**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 6 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

नैनो डीएपी उर्वरक की उत्पादन क्षमता

1985. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत में नैनो डीएपी को एक नए उर्वरक के रूप में शुरू किया है और यदि हां, तो पारंपरिक डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) की तुलना में इसकी संरचना, लाभ और प्रभावकारिता का ब्यौरा क्या है;
(ख) नैनो डीएपी की वर्तमान उत्पादन क्षमता कितनी है और बाजार में इसकी उपलब्धता कितनी है;
(ग) गत वर्ष के दौरान देश भर में, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश में नैनो डीएपी के वितरण और बिक्री का ब्यौरा क्या है;
(घ) नैनो डीएपी के उपयोग के संबंध में किसानों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ड.) नैनो डीएपी का फसल की उपज, उत्पादन लागत और पर्यावरणीय वहनीयता पर क्या प्रभाव पड़ने की सूचना है; और
(च) क्या नैनो डीएपी के बड़े पैमाने पर उत्पादन और वितरण में किन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और इन चुनौतियों से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (च): भारत सरकार ने नैनो डीएपी को जैव प्रभावकारिता परीक्षणों और विष-विज्ञान परीक्षणों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ)-1985 के अंतर्गत अधिसूचित किया है। मैसर्स कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएल), मैसर्स जुआरी फार्म हब लिमिटेड और मैसर्स इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर को-ऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) को नैनो डीएपी के उत्पादन की अनुमति दी गई है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने सूचित किया है कि इफको और सीआईएल ने नैनो डीएपी विकसित की है और चुनिंदा आईसीएआर संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कुछेक फसलों पर प्रारंभिक क्षेत्र परीक्षण किए हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि नैनो डीएपी का उपयोग बीजोपचार और पत्तियों पर छिड़काव के रूप में किए जाने से पारंपरिक रूप से छिड़काव किए जाने वाले दानेदार डीएपी में बचत होने की संभावना है।

नैनो डीएपी के वास्तविक उत्पादन और बिक्री के साथ होने वाली वर्तमान उत्पादन क्षमता नीचे दी गई है:

(500 मिलीलीटर समकक्ष की लाख बोतलों में)

क्रम सं.	**कंपनी का नाम**	**उत्पादन क्षमता**	**वास्तविक उत्पादन**	**बिक्री**
1.	इफको, कलोल संयंत्र	600	177.06	111.98
2.	जुआरी फार्म हब लिमिटेड भटिंडा (पीपीएल)	24	11.72	9.02
3.	सीआईएल काकीनाडा	140	73.66	60.25
कुल		**764**	**262.44**	**181.25**

इसके अतिरिक्त, देश भर में नैनो डीएपी के राज्य-वार बिक्री आंकडे **अनुलग्नक** में दिए गए हैं**।**

इसके अलावा, किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

i. नैनो यूरिया के उपयोग को जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, नुक्कड़ नाटकों, फील्ड प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है।

ii. नैनो यूरिया संबंधित कंपनियों द्वारा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) पर उपलब्ध कराया जाता है।

iii. नैनो यूरिया को उर्वरक विभाग द्वारा नियमित रूप से जारी मासिक आपूर्ति योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है।

iv. आईसीएआर ने भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के माध्यम से हाल ही में "'उर्वरक (नैनो-उर्वरकों सहित) के कुशल और संतुलित उपयोग"" पर राष्ट्रीय अभियान चलाया।

v. 15 नवंबर, 2023 को लॉन्च की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाय) के दौरान नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया।

vi. 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान करने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने 'नमो ड्रोन दीदी' स्कीम शुरू की है। उक्त स्कीम के तहत, महिला स्वयं सहायता समूहों की नमो ड्रोन दीदियों को उर्वरक कंपनियों द्वारा 1094 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं, जो ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों के बढ़ते अनुप्रयोग को सुनिश्चित कर रहे हैं।

vii. उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से परामर्श और फील्ड स्तरीय प्रदर्शनों के माध्यम से देश के सभी 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में नैनो डीएपी को अपनाने के लिए एक महाअभियान शुरू किया है। इसके अतिरिक्त, उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से देश के 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के फील्ड स्तरीय प्रदर्शनों और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए अभियान भी शुरू किया है।

उर्वरक कंपनियों द्वारा प्रदान की सूचना के अनुसार, नैनो डीएपी के उत्पादन और लाजिस्टिकस में कोई महत्वपूर्ण चुनौतियां नहीं आई हैं।

*****

अनुलग्नक

यह अनुलग्नक 06.12.2024 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा के अतारांकित प्रश्न सं. 1985 के उत्तर के भाग (क) से (च) से संबंधित है।

(500 मिलीलीटर समकक्ष की लाख बोतलों में)

क्रम.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	नैनो डीएपी की बिक्री
1	आंध्र प्रदेश	10.57
2	असम और एनई	1.42
3	बिहार	5.31
4	छत्तीसगढ	2.46
5	गुजरात	9.13
6	हरियाणा और दिल्ली	2.35
7	हिमाचल प्रदेश	0.83
8	जम्मू और कश्मीर	0.73
9	झारखंड	0.71
10	कर्नाटक	13.17
11	केरल	0.33
12	मध्य प्रदेश	18.75
13	महाराष्ट्र और गोवा	35.39
14	ओडिशा	3.58
15	पुदुचेरी	0.48
16	पंजाब	6.88
17	राजस्थान	12.89
18	तमिलनाडु	4.05
19	तेलंगाना	7.08
20	उत्तर प्रदेश	31.48
21	उत्तराखंड	1.20
22	पश्चिम बंगाल	12.45
कुल		**181.25**

****